दिल्ली पब्लिक स्कूल , जम्मू
सत्र (2024–25)
अभ्यास कार्य पत्र

कक्षा – नवी

विषय–हिदी (085)

माह- अक्टूबर

प्रश्न1) नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

समाज में रहते हुए ही मानव में करुणा ,सहिष्णुता ,भाईचारा, दया, प्रेम जैसे मानवीय गुण का विकास होता है । मानव के विकास में इन मानवीय गुण की भूमिका अहम होती हैै । प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक हुए अनेक युद्धों ने अमानवीय प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया हैै । मानवता के विकास के लिए मानव अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य है। जीवन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, जीवोकोपार्जन का अधिकार, वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार जैसे मूलभूत अधिकार मानव अधिकार के अंतर्गत ही आते हैैं । मानवतावाद के अनुसार व्यक्ति व्यक्तिगत संतोष एवं निरंतर आत्मविश्वास के साथ महत्वपूर्ण कार्य और समुदाय के कल्याण की ओर योग देने वाली अन्य क्रियो के संयोजन से शुभ जीवन को प्राप्त कर सकता है। मानवतावाद के प्रमुख सिद्धांत इस प्रकार हैैं... परिवर्तनशील संसार में मनुष्य सर्वाधिक शक्तिशाली है। मनुष्य न केवल यंत्र है और ना ही केवल जीव है बल्कि वह असीम संभावनाओं से भरा हुआ है। मनुष्य के जीवन में सत्यम, शिवम, सुंदरम की महत्व दी जानी चाहिए। मानवता को बढ़ावा देने के लिए मानवतावादी शिक्षा की आवश्यकता होती है। इसके निम्न उद्देश्य होते हैं-- मानवीय समस्याओं के प्रति संवेदनशील ,ऐसे व्यक्ति को श्रेष्ठता का विकास करना और व्यक्ति में सामाजिक गुण का विकास करनाै । मानवता बड़ी या छोटा नहीं होती ,यह आत्मा और हृदय से प्रेरित होती हैै । विश्व में शांति की स्थापना के लिए मानवता को बढ़ावा देने की आवश्यकता हैै । प्रजातांत्रिक मूल्यों के विकास के लिए भी मानवता के मूल्यों को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है।

1. **विश्व शांति न्याय और मानवता की रक्षा के लिए किस महत्वपूर्ण माना गया है-**

1) समाज कौ
2) उचित शिक्षा व्यवस्था कौ
3) मानवीय गुण को
4) जीवन के उद्देश्य को

2. गद्यांश के अनुसार मानव अधिकार के अंतर्गत किसे सम्मिलित नहीं किया गया है-

1.वैचारिक स्वतंत्रता के अधिकार को
2.समानता के अधिकार को
3.जीवोकोपार्जन के अधिकार को
4. धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को

3. मानवतावादी शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

4. यही बड़ी या छोटा नहीं होती यह आत्मा और हृदय से प्रेरित होती है पंक्ति के माध्यम से लेखक.....की प्रेरणा दे रहे हैं-

1. मानवता
2. विकास
3. परिश्रम
4. सामानता

5. कथन(A) परिवर्तनशील संसार में मनुष्य सर्वाधिक शक्तिशाली है

कथन(R) मनुष्य असीम संभावनाओं से भरा हुआ है

- कथन(A) तथा कारण ®दोनों गलत है
- कथन(A) सही है लेकिन कारण ® उसकी गलत व्याख्या करता है
- कथन(A) गलत है लेकिन कारण ® सही है
- कथन(A) और कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण(R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 2) संधि विच्छेद -

एकानन, मध्वाचार्य, ग्रामोद्धार, श्रवण

प्रश्न 3) उचित विराम चिन्ह लगाइए-

1. तुम्हारी इन बातों पर कोई विश्वास नहीं करेगा क्योंकि ये झूठी हैं
2. रामचरितमानस तुलसीदास की विश्व प्रसिद्ध कृति है
3. यंग इंडिया के पीछे पीछे नवजीवन भी गांधी जी के पास आया
4. भाइयो और बहिनो मैं आपके लिए एक समाचार लाया हूँ

प्रश्न 4) वाक्य में अर्थ के आधार पर भेद बताइए-

1.तुम दिल्ली चलोगे तो मैं चलूंगा।

2. रमेश को खेलने से रोको।

3. थोड़ी जल्दी उठ जाते तो बस नहीं छूटती।

4. ईश्वर करें उसकी दीर्घायु हो।

(रचनात्मक लेख)

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :–

नर हो न निराश करो मन को

संकेत बिंदु...

- आत्मविश्वास और सफलता
- आशा से संघर्ष में विजय
- कुछ भी असंभव नहीं
- महापुरुषों की सफलता का आधार।

प्रश्न 6) दो मित्रों के बीच वार्षिकोत्सव पर संवाद लेखन कीजिए।